

न्यू इयर पर प्रदेश भर में पुलिस एक्स्ट्रा अलर्ट

डीजीपी के गश्त और चेकिंग बढ़ाने के निर्देश, फील्ड अफसर सड़कों पर सुरक्षा व्यवस्था को लीड करें

भोपाल (नप्र)। नए साल के महेनजर प्रदेश में कानून-व्यवस्था और सांप्रदायिक सौहार्द पर पुलिस को एक्स्ट्रा अलर्ट रहना होगा। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने सभी पुलिस अधीक्षकों को पूरे प्रदेश में आज रात से 1 जनवरी की रात तक सघन चेकिंग और गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।

डीजीपी ने पहलगाम घटना तथा ऑपरेशन ‘सिंदूर’ के महेनजर मॉल, बाजार, होटल, रिसॉर्ट, पिकनिक स्पॉट (नदी, बांध, झील) और मंदिरों में भारी भीड़ की संभावना को देखते हुए अतिरिक्त बल तैनात करने के लिए कहा है।

पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी रैंक के फील्ड अधिकारी स्वयं सड़कों पर उतरकर सुरक्षा व्यवस्था को लीड करेंगे। प्रमुख चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल की अधिक तैनाती रहनी चाहिए।

शराब पीकर वाहन चलाने ,तेज रफ्तार ड्राइविंग, छेड़खानी और महिलाओं के साथ



होने वाली अभद्रता को रोकने के लिए पुलिस द्वारा जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाएगी। सूचीबद्ध गुंडा-बदमाशों और अशांति फैलाने वाले तत्वों की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जाए। किसी भी अप्रिय स्थिति

उत्पन्न होने से पहले ही नियंत्रित करने की रणनीति पर काम किया जाए। उन्होंने वीवीआईपी, वीआईपी सुरक्षा सहित सभी मोर्चों पर सुरक्षा व्यवस्था के प्रति पूर्ण सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं।

डीजीपी मकवाणा ने जिलों में होने वाली किसी भी महत्वपूर्ण घटना की जानकारी तत्काल पुलिस मुख्यालय को साझा करने के निर्देश दिए। साथ ही विशेष शाखा द्वारा जारी निर्देशों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश भी दिए।

गत वर्ष पुलिस अधिकारियों एवं मैदानी बल की सक्रियता से असामाजिक एवं उपद्रवी तत्वों पर अभूतपूर्व नियंत्रण रहा था। इसी क्रम को जारी रखते हुए डीजीपी ने तय किया है कि इस वर्ष भी प्रदेश में कानून-व्यवस्था, आमजन की सुरक्षा और सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए पुलिस पूर्ण मुस्तैदी के साथ तैनात रहेगी।

मध्यप्रदेश पुलिस सभी नागरिकों से अपील करती है कि नववर्ष सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण ढंग से मनाएं। भीड़भाड़ वाले स्थानों पर सतर्कता बनाए रखें, और जागरूक रहकर दूसरों की भी जागरूक करें। किसी भी सदिग्ध गतिविधि या अप्रिय घटना की सूचना तुरंत नजदीकी पुलिस थाने या डायल-112 पर दें।

मुख्य सचिव करेंगे कलेक्टर-कमिशनर कॉन्फ्रेंस का रित्यू

एफआईआर दर्ज करने में देरी और अस्पतालों का निरीक्षण क्यों नहीं हुआ...बताएंगे एसपी-कलेक्टर

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की प्राथमिकताओं पर फोकस रही कलेक्टर-कमिशनर कॉन्फ्रेंस में दिए गए निर्देशों की दूसरी समीक्षा मुख्य सचिव अनुराग जैन 31 दिसंबर को करेंगे। मुख्य सचिव जैन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कमिशनर-कलेक्टर कॉन्फ्रेंस की कार्यवाही विवरण की समीक्षा करेंगे।

यह समीक्षा बैठक बुधवार सुबह 11 बजे से शुरू होगी, जिसमें पिछली बैठक में दिए गए निर्देशों पर हुए अमल की जानकारी भी ली जाएगी। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने एक महीने पहले 7 और 8 अक्टूबर को हुई कलेक्टर-कमिशनर कॉन्फ्रेंस की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए थे कि थानों में आने वाले लोगों की एफआईआर दर्ज न होने की शिकायतें नहीं मिलनी चाहिए। कानून-व्यवस्था के मामलों में पुलिस अधीक्षकों की जिम्मेदारी तय की गई थी और यह भी कहा गया था कि हर महत्वपूर्ण जानकारी मीडिया तक पहुंचे।

डीजीपी मकवाणा भी रहेंगे मौजूद- साथ ही जिलों में हेलमेट पहनना अनिवार्य करने के निर्देश दिए गए थे, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। इन निर्देशों पर कितना अमल हुआ है, इसकी जानकारी पुलिस अधीक्षक बुधवार को होने वाली बैठक में देंगे। बैठक में डीजीपी कैलाश मकवाणा भी मौजूद रहेंगे।

मुख्य सचिव जैन ने कहा था कि सबसे ज्यादा सड़क हादसे दोपहिया वाहन चालकों के होते हैं और अधिकतर मौतें भी इसी वजह से होती हैं। इसलिए हेलमेट पहनने को लेकर अभियान चलाने से दुर्घटनाओं और मौतों की संख्या में कमी लाई जा सकती है।

जिला चिकित्सालय सहित अन्य शासकीय अस्पतालों का निरीक्षण कर रोगी कल्याण सुविधाओं के लिए क्या कदम उठाए गए। प्रदेश के प्रत्येक स्कूल में एक कक्षा को स्मार्ट क्लास बनाने के लिए क्या कार्रवाई की गई।

उन्नाव रेप केस

कुलदीप सेंगर को लगा ‘सुप्रीम’ झटका

● हाईकोर्ट के आदेश पर लगा दिया ब्रेक

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों वाली बेंच ने उन्नाव रेप केस में दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कुलदीप सेंगर को नोटिस भी जारी किया है। उन्नाव रेप केस में पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की

फैसले को कानून के खिलाफ, गलत और समाज के लिए गंभीर खतरा बताते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका फाइल की। सीबीआई ने अपनी याचिका में कहा था कि दिल्ली हाई कोर्ट ने सेंगर की सजा को सस्पेंड करके पॉक्सो ऐक्ट के लक्ष्य को ही नजरअंदाज कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट में मामले की



आजीवन कारावास की सजा को दिल्ली हाई कोर्ट ने निलंबित कर दिया था और उन्हें जमानत पर रिहा करने का आदेश दे दिया था। सीजेआई ने कहा कि हाई कोर्ट के जिस जज ने फैसला सुनाया है वह बहुत अच्छे जज हैं। हालांकि गलती किसी से भी हो सकती है। पॉक्सो के तहत अगर कॉन्स्टेबल लोक सेवक हो सकता है तो विधायक को अलग क्यों रखा गया, यह चिंता का विषय है। बता दें कि सीबीआई ने हाई कोर्ट के

सुनवाई से पहले पीड़िता का तबीयत बिगड़ गई थी। इसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया था। हालांकि सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट में पीड़िता भी मौजूद थीं। एजेंसी का कहना है कि हाई कोर्ट यह समझ ही नहीं पाया कि सेंगर विधायक थे और वह जनता के विश्वास के पद पर थे। ऐसे में उनकी जिम्मेदारी आम नागरिक से कहीं ज्यादा बनती है। ऐसे में उनका दोषी पाया जाना भी बहुत बड़ी बात है। सीबीआई की ओर से तुषार मेहता पेश हुए।

घुसपैठियों के खिलाफ

देश भर में लागू होगा असम मॉडल

● अमित शाह बोले- असम जैसे अब पूरे देश से घुसपैठिए भगाएंगे ● स्वतंत्रता सेनानी गोपीनाथ ने किया था बड़ा काम

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के नौगांव में सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बटाव्रा पुनर्विकास परियोजना का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में शाह ने कहा- हिमंत बिस्वा सरमा ने बांग्लादेशी घुसपैठियों से एक लाख जमीन बीघा जमीन मुक्त करवा दी है। इसी तरह पूरे देश से हम घुसपैठियों को भगाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि आज मैं गोपीनाथ बोरदोलोई जी को याद करना चाहता हूं। अगर वे नहीं होते, तो आज असम और पूरा नॉर्थ ईस्ट भारत का हिस्सा नहीं होता। शाह ने कहा कि गोपीनाथ ने ही जवाहरलाल नेहरू को असम को भारत में बनाए रखने के लिए मजबूर किया था। केंद्र सरकार ने अग्रवादी संगठनों के साथ शांति समझौते किए हैं, जिनमें से 92 फीसदी शर्तें पूरी की जा चुकी हैं। असम में शांति और विकास की स्थिति मजबूत हुई है। बटाव्रा थान को नव-वैष्णव धर्म का केंद्र है।

यह जगह असम की सांस्कृतिक एकता और आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक है। परियोजना से पर्यटन और संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा। असम में केंद्र सरकार के प्रयासों से शांति, विकास और सांस्कृतिक संरक्षण हो रहा है। गुवाहाटी में नई सुरक्षा व्यवस्था से शहर सुरक्षित बनेगा। एक बार

असम को भारत में बनाए रखने के लिए नेहरू को किया था मजबूर



फिर असम की जनता भाजपा को अपना समर्थन दें। हम पूरे असम को घुसपैठियों से मुक्त करेंगे। जो लोग घुसपैठियों को वोट बैंक मानते हैं, वे ऐसा कभी नहीं कर सकते। असम ने डॉ. मनमोहन सिंह जी को राज्यसभा

चिनाब पर हाईड्रोपॉवर प्रोजेक्ट-2

मंजूरी से पाक बौखलाया

● फैसले से बौखलाया पाकिस्तान, लगाई न्याय की गुहार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार के पर्यावरण विभाग की एक समिति ने चिनाब नदी पर दुलहस्ती हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट के दूसरे चरण पर काम करने की



मंजूरी दी है। इस प्रोजेक्ट को लेकर 27 तारीख को ही मंजूरी मिली है और उधर पाकिस्तान को इससे मिर्ची लग गई है। पाकिस्तान की सांसद और पूर्व मंत्री शेरी रहमान ने इस पर सवाल उठाए हैं और

बौखलाहट में भारत पानी को हथियार बनाने का आरोप लगाया है। रहमान ने कहा कि पानी को हथियार बनाना गलत है और इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। एक्स पर शेरी रहमान ने लिखा, ऐसा करना सिंधु जल समझौते का उल्लंघन है। भारत सरकार ने दुलहस्ती हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट स्टेज-2 को मंजूरी दी है। ऐसा करना गलत है। सिंधु जल समझौते के तहत कोई भी फैसला एकतरफा तौर पर नहीं लिया जा सकता। सिंधु जल समझौते के तहत पाकिस्तान का चिनाब, झेलम और सिंधु नदी के जल पर अधिकार है। वहीं भारत का अधिकार रावी, ब्यास और सतलुज पर है। इसके आगे वह लिखती हैं कि भारत ने अवैध तौर पर सिंधु जल समझौते को स्थगित किया है।

जमीन हड़पने वाले दबंगों

माफियाओं को न छोड़ें

● यूपी के अफसरों को सीएम योगी का सख्त आदेश

लखनऊ (एजेंसी)। सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को अधिकारियों को आदेश दिया कि वे जमीन हड़पने वाले बलवाणों और माफियाओं पर कड़ी कार्रवाई करें। गोरखपुर में जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान सोमवार को उन्होंने करीब डेढ़ सौ लोगों की शिकायतें सुनीं और अधिकारियों को उनके समाधान का निर्देश दिया। इस दौरान कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जाने की शिकायत पर मुख्यमंत्री ने कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा यदि कोई दबंग, माफिया किसी की जमीन जबरन कब्जा कर रहा हो तो उसके खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई

की जाए। गरीबों को उजाड़ने वाले कई न बख्खे जाएं। जहां पैमाइश की जरूरत हो, वहां पैमाइश करारक विवाद का निस्तारण कराया जाए। पारिवारिक विवाद



के मामलों में उन्होंने उभयपक्षों के साथ संवाद कर समाधान की राह निकालने के लिए निर्देशित किया। प्रचंड ठंड के बावजूद जनता दर्शन में भीड़ रही।

रुद्राभिषेक कर लोक मंगल की कामना की

मुख्यमंत्री और गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने सोमवार सुबह रुद्राभिषेक कर देवाधिदेव महादेव से लोकमंगल की प्रार्थना की। हवन के साथ रुद्राभिषेक का अनुष्ठान पूर्ण कर उन्होंने सभी नागरिकों के सुख-समृद्धि की कामना की। वर्ष 2025 के अंतिम सोमवार की सुबह गोरखनाथ मंदिर के अपने आवास के प्रथम तल स्थित शक्तिपीठ में सीएम योगी ने भगवान भोलेनाथ को विल्वपत्र, दुर्वा, मदार पत्र, कमल पुष्प समेत अनेकानेक पूजन सामग्री अर्पित करने के बाद जल और दूध से रुद्राभिषेक किया। मठ के विद्वत आचार्यगण एवं पुरोहितगण ने शुक्ल यजुर्वेद सहिता के रुद्राष्टाध्यायी के महामंत्रों द्वारा रुद्राभिषेक किया।

राज्यों से मांगा गया स्वतंत्रता के बाद हुए विरोध प्रदर्शनों का रिकॉर्ड

● पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो ने देश के सभी राज्यों को लिखी चिट्ठी

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्वार्थ के लिए किए जाने वाले जन आंदोलनों को रोकने के लिए राज्यों से स्वतंत्रता के बाद हुए विरोध प्रदर्शनों का विस्तृत रिकॉर्ड साझा करने को कहा गया। इसके लिए एक व्यापक



मानक परिचालन प्रक्रिया तैयार करने हेतु, पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो ने पहली बार सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पुलिस प्रमुखों से भारत भर में स्वतंत्रता के बाद हुए विरोध प्रदर्शनों का रिकॉर्ड शेयर

करने को कहा है। इसके तहत विशेष रूप से 1974 के बाद हुए प्रदर्शनों का विस्तृत रिकॉर्ड साझा करने का अनुरोध किया गया है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से प्रत्येक आंदोलन के बारे में जो प्रमुख विवरण प्रस्तुत करने को कहा गया है, उनमें इसका कारण, विकास, आयोजक, संरचना, विचारधारा, किसी भी हिंसक घटना की के बारे में जानकारी शामिल है। स्वतंत्रता के बाद हुए सभी विरोध प्रदर्शनों का अध्ययन- राष्ट्रीय पुलिस मिशन (एनपीएम) के बीपीआर एंड डी विभाग द्वारा जारी ये निर्देश केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा ब्यूरो को एसओपी तैयार करने का निर्देश देने के चार महीने बाद आए हैं। यह निर्देश स्वतंत्रता के बाद हुए सभी विरोध प्रदर्शनों के अध्ययन के बाद जारी किए गए थे, जिसमें उनके कारणों, वित्तीय पहलुओं, अंतिम परिणामों और पदों के पीछे के किरदारों का विश्लेषण किया गया था। पिछले महीने सभी पुलिस महानिदेशकों को भेजे गए एक पत्र में, कहा, सभी राज्य से अनुरोध है कि सभी विरोध प्रदर्शनों का विवरण प्रदान करें।

नए साल पर उत्तराखंड में बजरंग सेतु की सौगात

● 100 साल पुराने ऋषिकेश लक्ष्मण झूला पुल की लेगा जगह

ऋषिकेश (एजेंसी)। उत्तराखंड में नए साल की शुरुआत के साथ ही ऋषिकेश के लोगों और देश-विदेश से आने वाले तीर्थयात्रियों व पर्यटकों को बड़ी सौगात मिलने जा रही है। यह सेतु 1929 में बना ऐतिहासिक लक्ष्मण झूला की जगह लेगा। गंगा नदी पर निर्माणाधीन अत्याधुनिक बजरंग सेतु को जल्द ही आम जनता के लिए खोलने की तैयारी अंतिम चरण में पहुंच गई है। लोक निर्माण विभाग के अनुसार, पुल का निर्माण कार्य 26 जनवरी तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। हालांकि किसी तकनीकी कारण से यदि मामूली देरी होती है, तो भी जनवरी के अंत या फरवरी के पहले सप्ताह तक बजरंग सेतु को जनता के लिए खोल दिया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि गंगा पर बन रहा यह आधुनिक सस्पेंशन ब्रिज अब अपने अंतिम चरण में है। विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि तय समयसीमा के भीतर कार्य पूरा किया जाए।



अब भारत ने ‘प्राणदान’ देकर अफगानिस्तान से निभाई दोस्ती

● पाकिस्तानी ब्लैकमेल अब खत्म, तालिबानी कर रहे तारीफ



काबुल (एजेंसी)। पाकिस्तान के हवाई हमले और दवाओं को लेकर ब्लैकमेल किए जाने के बीच भारत और अफगानिस्तान में दोस्ती अब और मजबूत होती जा रही है। भारत ने तालिबान सरकार से किया गया अपना ववाद पूरा किया है और अफगानिस्तान के अत्याधुनिक एंबुलेंस की एक खेप सौंप दी है। इससे पहले तालिबानी विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी की दिल्ली यात्रा के दौरान भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यह वादा किया था। जयशंकर ने उस

समय कहा था कि भारत की ओर से 20 एंबुलेंस की खेप सद्भावना गिफ्ट है। उन्होंने यह भी कहा था कि भारत अफगानिस्तान के हॉस्पिटल्स के लिए एमआरआई और सीटी स्कैन मशीन मुहैया कराएगा। साथ ही बच्चों की वैक्सीन और कैंसर की दवाएं भी देगा। रिपोर्ट के मुताबिक एंबुलेंस देना भारत और अफगानिस्तान के बीच हेल्थकेयर कोऑपरेशन का हिस्सा है। भारत काबुल में बच्चों के अस्पताल को गरम रखने का सिस्टम बदलेगा।

जन्मदिन : राजेश खन्ना

अभय बेडेकर

प्रशासनिक अधिकारी और लेखक



‘इ’ जज़तें शोहरतें चाहतें उलफ़तें, कोई भी चीज़ दुनिया में रहती नहीं, आज मैं हूँ जहां कल कोई और था, ये भी एक दौर है वो भी एक दौर था।’ ये थे फ़िल्मी दुनिया के काका यानी राजेश खन्ना। स्टेज था आईफ़ा लाइफ़ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड (2009) का और स्टेज पर मौजूद थे बाबू मोशाय उर्फ़ अमिताभ बच्चन। वो बाबू मोशाय जिसने काका की बादशाहत को खत्म किया था। काका के सुपर स्टारडम की राह में खड़ा अकेला शहंशाह जिसने गुरु शर्ट पहनकर सर को हल्के से झटका देकर बात करने की अदा से दर्शकों को दीवाना बनाने वाले काका को सुपर स्टार की कुर्सी से उतार दिया था। सदियों से ये होता रहा है और आगे भी होता रहेगा। क्योंकि कोई भी चीज़ दुनिया में शिखर पर नहीं रहती। कहते हैं चोटी पर स्थान बहुत कम होता है ‘देयर इज वेरी लिटिल स्पेस ऑन टॉप।’ इसलिए चोटी पर कोई एक ही रह पाता है। वहां पहुंचना आसान नहीं होता, पर उससे भी मुश्किल काम है टॉप पर जमे रहना। माउंट एवरेस्ट पर चढ़ना बहु मुश्किल काम है, पर ऊपर हवा इतनी तेज और बर्फीली होती है कि चोटी पर उतने निम्न तापमान में खड़े रहना असंभव हो जाता होगा। इसलिए मुश्किल पर्वतारोही एवरेस्ट पर आधा घंटा रुक पाते हैं। ऐसे में बॉलीवुड में सुपरस्टार की कुर्सी पर बरसों तक काबिज रह पाना किसी के लिए भी संभव नहीं है। काका ने भी भैया (अमिताभ) के लिए अपनी कुर्सी ऐसे ही नहीं छोड़ दी थी। ‘काका’ तो ऐसे सुपर स्टार थे जो ना पहले कभी हुआ और न अब फिर कभी होगा। एक ही समय में शहर के कई टॉकीजों में काका की ही फ़िल्में चलती थी और पूरा शहर काका का दीवाना हुआ रहता था। लड़कियां काका की गाड़ी घेर लेती थीं और सफेद कार को चूम चूमकर लिफ्टस्टक से लाल कर देती थीं। ऐसे में कोई नया लड़का काका को टक्कर दे सके, ये तो मुमकिन ही नहीं था। स्थापित सितारे भी चाहे वो राजेंद्र कुमार, राज कपूर हो या देव आनंद सभी राजेश खन्ना के दिग्विजयी रथ के सामने फेल थे।

‘काका’ की बादशाहत के गिरने की वो दास्तां

राजेश खन्ना उर्फ काका की परदे पर बादशाहत को यदि किसी ने खत्म किया, तो वो थे अमिताभ बच्चन। जबकि, एक दौर ऐसा भी था, जब राजेश खन्ना अपने लिए अमिताभ बच्चन को मनहूस मानते थे। लेकिन। फिल्म ‘आनंद’ में दोनों के साथ करने से फिल्म को मिली सफलता ने उनके इस भ्रम को तोड़ दिया। उसके बाद जो हालात बने, वह एक शिखर से गिरने और दूसरे के शिखर पर स्थापित होने की दास्तां है।

अमिताभ बच्चन जो उस समय फ़िल्मी दुनिया में कुछ तो अपने कवि पिता हरिवंश राय बच्चन जो उस समय तक अपनी रचना ‘मधुशाला’ के कारण प्रसिद्ध हो चुके थे, के नाम से बॉलीवुड के श्रेष्ठ वर्ग में पहचाने जाते थे तो कुछ अपनी माता



अमिताभ कलकत्ता मे ‘बर्ड एंड कंपनी’ में 500/- मासिक पगार पर नौकरी करते थे (हाथ में सिर्फ़ 450/- मिलते थे) पर मुंबई जाकर फ़िल्मी दुनिया मे हाथ भी आजमाना चाहते थे।1969 में खुवाजा अहमद अब्बास ने ‘सात हिंदुस्तानी’



श्रीमती तेजी बच्चन के पॉलिटिकल कनेक्शन के कारण जाने जाते थे। पर, सच बात तो यह है कि माता पिता के सार्वित्यिक और राजनीतिक संपर्क का फायदा अमिताभ को कुछ खास मिल नहीं पा रहा था।



फिल्म में अमिताभ को कास्ट किया गया और इस तरह और अमिताभ को बॉलीवुड में पहला मौका मिला। ये एक छोटा सा रोल था जिसमें अमिताभ को किसी ने नोटिस नहीं किया। फिर अमिताभ भी एक स्ट्रालर की तरह इस स्टूडियो



से उस स्टूडियो और इस दरवाजे से उस दरवाजे घूमने लगे। 1971 से 1972 के बीच अमिताभ ने यदि कोई उल्लेखनीय फ़िल्म की तो वो थी ‘आनंद’ जिसमें ‘काका’ मुख्य कलाकार थे और अमित सह कलाकार। ‘आनंद’ कैसी फिल्म थी, क्या थी, कितनी हिट थी ये सब जानते हैं। पर, ये नही जानते कि उस समय अमिताभ और राजेश खन्ना के फ़िल्मी सफ़र में दोनों के बीच दूरी कितनी थी! ‘आनंद’ के लॉन्च के समय काका सुपर स्टार थे और अमिताभ स्ट्रालर। अमिताभ के कुछ कलकत्ता के मित्र जब अमिताभ से सुनते थे कि वो काका के साथ किसी फ़िल्म में काम कर रहे हैं तो पहले तो वो विश्वास नहीं करते, पर बाद में जब उन्हें सच्चाई पता लगती तो वो अमित से पूछते थे कि क्या सचमुच तुमने राजेश खन्ना को इतने करीब से देखा है? उनके साथ काम किया है और क्या तुमने उन्हें छू कर देखा है! अमिताभ को ऐसे ऐसे सवालों से जूझना पड़ता था। ‘आनंद’ सुपर हिट हुई और अमिताभ को बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का फ़िल्मफ़ेयर पुरस्कार भी मिला, पर काका की नज़र में अमित मनहूस थे, जिनके होने से फ़िल्म असफल हो जाती है। इस सबका मकसद ‘काका’ की आलोचना या अमिताभ की अच्छाई दिखाना नहीं, बरन यह दिखाना है कि समय बड़ा बलवान है। दोनों बड़े कलाकार हैं और दोनों में कुछ न कुछ कमजोरियां हैं। इन सालों में 1971-72 में अमिताभ ने ‘परवाना’ और ‘रेशमा और शेरा’ जैसी फ़िल्में भी की और ‘गुड्डी’ में गेस्ट रोल किया। फ़िल्में तो नहीं चली पर फिल्म गुड्डी के सेट पर अमिताभ को जया मिल गई। दोनो एक दूसरे को पसंद करने लगे और मेल मुलाकातों

का सिलसिला शुरू हो गया। 1972 में सुपरहिट फिल्म ‘बावची’ में हृषिकेश मुखर्जी ने अमिताभ को फ़िल्म में तो नहीं लिया, पर फ़िल्म की कहानी अमिताभ से कहलवायी। अमिताभ का आना जाना ‘बावची’ के सेट पर लगा रहा और राजेश खन्ना कोये पसंद नही था। उन्हें लगता था कि अमिताभ मनहूस हैं और उनके आने से शायद फ़िल्म फ़्लॉप हो सकती है। एक-दो बार काका ने उनका अपमान भी किया, पर ये बात गुड्डी (जया) को पसंद नही आयी और उसने जाकर काका को कान में कहा कि,तुम आज जिसका अपमान कर रहे हो एक दिन दुनिया देखेगी कि वो कहां पहुंच गया और तुम कहां रह गए। शायद उस दिन जया की वाणी में सरस्वती का वास था। समय गुजरता गया और सलीम जावेद की लेखनी और अपनी दमदार अदाकारी के दम पर अमिताभ 1973-80 के सात सालों में सुपरस्टार बन गए और फिर सदी के महानायक के खिताब से भी उन्हें नवाज़ा गया। देश के सभी बड़े शहरों के सभी सिनेमाघरों में अमित और विजय नाम छये रहते। वे काका को अपना ज़माना याद दिलाते रहते थे, पर काका के स्टारडम कमजोर पड़ चुका था। राजेश खन्ना अपनी रोमांटिक इमेज के साथ इस ‘ऐंशी यंग मैन’ का मुकाबला नहीं कर पा रहे थे और उनका सितारा डूबता चला गया और फिर वो चरित्र अभिनेता की भूमिका निभाने लगे। ये वही दर्द की दास्तान थी जो उस आईफ़ा अवॉर्ड वाले दिन ‘काका’ के मुँह से लोगों ने सुनी थी। कहते हैं कि वक्त की पहचान बहुत ज़रूरी है। जो वक्त को नहीं पहचानते वक्त उन्हें पहचानने लायक नहीं छोड़ता।

स्कूल में पानी की याद दिलाएगी ‘वाटर बेल’

अनोखी मुहिम

रेणु जैन

(वैचारिक विषयों की लेखिका)



ये शिकायत लगातार बढ़ रही है कि बच्चे स्कूल में पानी नहीं पीते। घर से जो पानी की बॉटल उन्हें दी जाती है, वो या तो भरी हुई घर आती है या फिर बच्चा याद आने पर दो घूंट पानी पीता है। बच्चों में पानी पीने की आदत न होने के कई कारण होते हैं। लेकिन सबसे ज्यादा कारण यह है कि पानी पीना बच्चों को याद नहीं रहता। घर में तो कई सदस्य होते हैं, जो मौखिक रूप से बच्चे को पानी पीने की याद दिलाते हैं। लेकिन, बच्चे सात से आठ घंटे या उससे भी ज्यादा स्कूल में समय व्यतीत करते हैं। ऐसे में पानी की कमी से बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। इस कारण थकान, ध्यान केंद्रित करने में मुश्किल और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं की शिकायत बढ़ रही है। बच्चे स्कूल में पढ़ने के अलावा खेलना, एक्सरसाइज जैसे काम भी करते हैं। ऐसे में उन्हें पर्याप्त पानी की ज़रूरत होती है। इन्हीं बातों से निजात पाने के लिए केरल में ‘वाटर बेल’ अवधारणा को लागू किया गया। दक्षिण कन्नड़ के उप्पिंगडी जिले के इंद्रप्रस्थ स्कूल ने सबसे पहले ‘वाटर बेल’ योजना को शुरु किया था। इस योजना को अब बीकानेर, रायपुर और मंडला समेत कई शहरों के स्कूल भी

केरल के स्कूलों में ‘वाटर बेल’ नाम की एक अनोखी मुहिम चल रही है। इस मुहिम में पूरे स्कूली घंटों के दौरान तीन बार बेल बजती है, जो घर जाने, क्लास चेंज होने या खाना खाने की नहीं, बल्कि पानी पीने की याद दिलाने के लिए होती है। इसमें बच्चों को पांच मिनट का समय पानी पीने के लिए दिया जाता है। बच्चों के लिए एक साथ पानी पीना भी एक खेल जैसा हो गया और उन्हें यह घंटी रास भी आ रही है। क्योंकि, बेहद असरदार यह आदत बच्चों को डिहाइड्रेशन से बचाव तथा हल्दी लाइफ़ स्टाइल दे रही है।



चालू कर चुके हैं। हाल में हुए कई शोथों से पता चला है कि पानी का सेवन सीधे तौर पर मस्तिष्क पर असर डालता है। क्योंकि, मस्तिष्क के कुल द्रव्यमान का लगभग 75 प्रतिशत हिस्सा पानी है। एक मोटे अनुमान के आधार पर 4 से 8 साल के बच्चों के लिए 1.2 लीटर पानी 9 से 13 साल के बच्चों के लिए 1.5 लीटर तथा 14 साल के आसपास के बच्चों को 1.9 लीटर या उससे भी कुछ ज्यादा पानी की आवश्यकता हो सकती है। लेकिन, यह मौसम, पसीने,और बच्चों की शारीरिक गतिविधि पर भी घट बढ़ सकती है। जर्मनी के 5 और 6 साल के बच्चों पर कुछ समय पूर्व एक सर्वे हुआ, जिसमें पाया गया कि जिन बच्चों ने सुबह उठने के चार घंटों की अवधि में पूरे दिन 50 प्रतिशत पानी पीया उनका दिमाग अन्य बच्चों की तुलना में समग्र रूप से कार्य करता है। एक्सपर्ट के मुताबिक पानी हार्मोन के स्तर को संतुलित करने, उचित रक्त प्रवाह बनाए

रखने और मस्तिष्क में विटामिन, खनिज एवं ऑक्सीजन पहुंचाने में मस्तिष्क की कोशिकाओं और ऊतकों की मदद करता है। जो बच्चों की एकाग्रता को भी बढ़ाता है। आहार संबंधी दिशा-निर्देशों के अनुसार घर में भी माता पिता और अन्य वयस्क बच्चों की गतिविधियों में शामिल होते हैं, तो वे हर बार पानी पीने पर उनका ध्यान आकर्षित कर सकते हैं और इसे एक खेल भी बना सकते हैं। नए शोध यह बताते हैं कि 60 प्रतिशत हिस्से तथा 75 प्रतिशत किशोर पर्याप्त मात्रा में पानी का सेवन ही नहीं करते। किशोर बच्चों में कोल्ड ड्रिंक का चस्का भी बढ़ता जा रहा है। पर, सबसे हानिकारक बात यह भी है कि इसमें शुगर की मात्रा ज्यादा होना स्वास्थ्य संबंधी अन्य परेशानियों को भी बढ़ावा देता है। आम समस्या यह भी तेजी से बढ़ रही है कि मोबाइल की लत से बच्चों को ख्याल ही नहीं रहता कि उन्हें तय समय पर पानी पीना भी है। स्कूलों की ‘वाटर बेल’ योजना एक स्वस्थ बच्चे के निर्माण में बहुत कारगर है। सभी स्कूलों में इस तरह के नवाचार करना बच्चों को पूरे जीवन स्वस्थ तो रखेगी ही साथ ही बचपन की सीखी आदतें ताऊय याद रहेगी।

दृष्टिकोण

अनुपमा तिवाड़ी

साहित्यकार, शिक्षाविद व ट्री वुमन ऑफ़ राजस्थान



ह म सब प्रकृति के हिस्से हैं जिनमें कुछ जीव धरती पर, कुछ जल में, कुछ पेड़ों पर तो कुछ अलग-अलग जगहों पर रहते हैं। हम कभी-कभी अपने को ही सबसे अधिक महत्व देने लगते हैं। हमारे आस-पास कितने ही जीव जन्तु ऐसे हैं जो प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से हमारे जीवन को सुगम बनाते हैं। अभी हाल ही में कुछ दिनों पहले एक व्यक्ति द्वारा बड़ी संख्या में कुत्तों को मार डाला गया जिसके बाद कुत्तों के काटने की खबरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने लगीं। बहुत सारे लोग उनके पक्ष में तो बहुत सारे उसके विपक्ष में आ गए और मामला कोर्ट तक पहुंच गया। हमें किसी जीव से नुकसान होने के साथ-साथ उससे होने वाले नुकसान के कारणों पर काम करना चाहिए। किसी को उसकी जगह से निकासित/विस्थापित करना उसके अस्तित्व को खतरे में डालना है। लावारिस जीव-जन्तु भी जिस जगह पर रहते हैं वे उस जगह के साथ तादात्म्य स्थापित कर लेते हैं। वे वहाँ रहना चाहते हैं। उन्हें वहाँ से हटाकर नए अपरिचित माहौल में रखना उनके लिए कष्टप्रद होता है। उनके लिए आवश्यक विकल्प, सुविधाएं और आवास की व्यवस्था या

जिस तरह वे रह रहे थे वह व्यवस्था न छीनकर उसे सुगम बनाने की दिशा में काम होना चाहिए। बहुत सारे लोग कुत्तों को पालते हैं लेकिन जिन कुत्तों को लोग नहीं पालते वे लावारिस सड़कों पर घूमते रहते हैं और भोजन तथा आवास के लिए दर ड़्क़ दर भटकते रहते हैं। लगभग 20-25 वर्ष पहले तक कस्बों और गाँवों में बहुत से घरों से पहली रोटी गाय के लिए और आखिरी रोटी कुत्ते के लिए निकालने का चलन था। लोग कूड़ा भी यहाँ-वहाँ फेंक देते थे जिसमें बचा हुआ भोजन भी होता था जिसे लावारिस पशु खा लेते थे। लगभग 25 वर्षों में पीने का पानी नालियों से पी लेते थे। अब रोटी निकालने का धीरे ड़्क़ धीरे यह चलन कम हो गया है। ऐसे में कुत्ते अपनी भूख मिटाने के लिए यदाकदा बच्चों व बड़ों पर हमला कर देते हैं। अधिकांश जीव आमतौर पर भूख और असुरक्षा के चलते किसी पर हमला करते हैं। ऐसे में उन्हें उस जगह से बलपूर्वक हटा देना एक तरह की क्रूरता ही है। उनके लिए विकल्पों की तलाश नहीं के बराबर हो पाती है। जब उनके द्वारा कुछ अप्रत्याशित घटित होता है तभी हमारा ध्यान उस ओर जाता है। उन्हें भी सभी जीवों की तरह जीवन जीने का अधिकार है। सामान्यतौर पर वे किसी को नुकसान नहीं पहुँचाते यदि उनकी ज़रूरत पूरी हो जाये तो।

सबके होने से हम हैं



कहा जाता है कि दुनिया की पहली मिठाई शहद है जो कि हमें मधुमक्खियों से मिलता है। शहद की यह ताकत है कि वह स्वास्थ्यप्रद और औषधीय होने के साथ-साथ कभी खराब होने वाला द्रव है।

कितनी ही चिड़ियाओं के फल खाने से बीज उनके पेट में चले जाते हैं और बीट के रूप में बाहर निकलते हैं। ये बीज चिड़ियों के पेट में रहने से उपचारित हो जाते हैं और उन्हें उाने की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। कितने ही पशुओं के शरीर से माल के द्वारा बीज निकलने से नए पेड़ जन्म लेते हैं। कितनी ही बार गिलहरियाँ बीज जमीन में अपने खाने के लिए छुपा देती हैं और फिर भूल जाती हैं जिनके अंकुरण से पेड़ बन जाते हैं। तितलियों के फूलों पर बैठने से फूलों के परागण उनका टांगों में चिपक जाते हैं जिससे अन्य पेड़ों में परागण की क्रिया सहज रूप से हो पाती है। कुत्तों में सूँघने की शक्ति बहुत तेज होती है जिसके चलते ही सेना और पुलिस में कुत्तों को प्रशिक्षित कर के अपराधी तक पहुँचा जाता है। घरों में कुत्ते घर की सुरक्षा करते हैं और अपने मालिक के प्रति वफादारी निभाते हैं। शहरी जानवर, पेड़-पौधों और अपने आसपास की पारिस्थितिकी को जानते-बुझते, अकारण नुकसान पहुँचाना एक तरह की असभ्यता है, हिंसा है।

जल, वायु और मृदा ये तीनों ही पर्यावरण के अभिन्न अंग हैं। हम अपने जीवन को सुगम और सुरक्षित बनाना चाहते हैं तो हमें इंका संरक्षण करना होगा तभी इनसे संबंधित संसाधन हमें पर्याप्त मात्रा में मिलते रहेंगे और हम अपना जीवन अच्छे से गुजार पाएँगे। यदि वन व वन्यजीव नहीं होंगे तब जल, वायु व मृदा से मिलने वाले संसाधनों भी समाप्त हो जाएँगे और हम इनके बिना अपने जीवन की कल्पना नहीं कर सकते। जिस तरह से भाषाएँ विलुप्त होती जा रही हैं उसी तरह से बहुत से जीव भी कम या विलुप्त होते जा रहे हैं। शहरों में अब मोर और तोते कम होते जा रहे हैं। लगभग 35-40 वर्ष पहले गिद्ध और चील दिखाई देते थे जो अब नहीं के बराबर दिखाई देते हैं। शहरों में तितलियाँ कम होती जा रही हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक फोन के टावर लगते रहने से मधुमक्खियाँ अपना रास्ता भूलने लगती हैं। बारिश के दिनों में निकलने वाली बौरबहूटी कम होती जा रही है। लगातार पहाड़ों और जंगलों का कटना, नदियों और तालाबों का सूखना, शहरों का विस्तार ने कई जीवों के जीवन को संकट में डाला है। हम सब प्रकृति के हिस्से हैं। पारिस्थितिक के अनुसार यदि इस चेन की एक भी कड़ी टूटती है तो उसका पर्यावरण पर प्रभाव पड़ता है। जिससे मानव जीवन भी अछूता नहीं रह सकता।

भारतीय महिला (ब्लाईंड) क्रिकेट टीम ने 23 नवम्बर 2025 को कोलंबो में आयोजित टी-20 वर्ल्डकप के फाइनल मैच में नेपाल को हराकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी। इस राष्ट्रीय टीम में मध्यप्रदेश के नर्मदापुरम जिले की सुश्री सुनीता सरादे, दमोह जिले की सुश्री सुष्मा पटेल और बैतुल जिले की सुश्री दुर्गा येवले प्रतिभावन खिलाड़ी शामिल रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

श्रद्धांजलि अर्पित कर शोक संवेदनाएं व्यक्त की

विदिशा (निप्र)। पशुपालन एवं डेयरी विभाग (स्वतंत्र प्रभार) राज्यमंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री श्री लखन पटेल ने आज ग्राम हरिपुर में बासौदा विधायक श्री हरिसिंह रघुवंशी के निज निवास पर पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित कर शोक संवेदनाएं व्यक्त की है। बासौदा विधायक श्री रघुवंशी जी की पूज्य माताजी स्वर्गीय श्रीमती कमलादेवी रघुवंशी के देवलोकगमन पर गहन शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं। इस अवसर पर उन्होंने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोकाकुल परिवार से भेंटकर ढाढस बंधाया और ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति एवं परिवार को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें कि प्रार्थना की है

अपर कलेक्टर श्री वृंदावन सिंह ने राजस्व न्यायालयों का किया निरीक्षण एसआईआर के संबंध में दिये निर्देश

सीहोर (निप्र)। अपर कलेक्टर श्री वृंदावन सिंह द्वारा राजस्व न्यायालय अनुविभाग बुधनी, तहसील बुधनी तथा टप्पा तहसील शाहगंज का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने न्यायालयों में लंबित प्रकरणों की स्थिति की समीक्षा की और अधिकारियों को प्रकरणों का शीघ्र, निष्पक्ष एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अपर कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि राजस्व न्यायालयों में आम नागरिकों से जुड़े मामलों का त्वरित समाधान प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देशित किया कि प्रत्येक प्रकरण की नियमित समीक्षा करते हुए अनावश्यक विलंब को रोका जाए तथा कार्यवाही में पारदर्शिता बनाए रखी जाए। निरीक्षण के दौरान एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) के अंतर्गत मतदाता सूची प्रशिक्षण संबंधी कार्यों की भी समीक्षा की गई। इस अवसर पर बीएलओ (बृथ लेवल अधिकारी) एवं सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। अपर कलेक्टर श्री वृंदावन सिंह ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि अनमैप मतदाताओं को समय पर नोटिस जारी कर दावा आपत्ति प्राप्त करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि इस कार्य में मतदाताओं की पूरी मदद की जाये। यह सुनिश्चित किया जाये कि कोई भी पात्र उम्मीदवार का नाम मतदाता सूची से छूटे नहीं।

विकसित भारत-जी राम जी, अधिनियम 2025 के संबंध में आयोजित की गई विशेष ग्राम सभाएं

नर्मदापुरम (निप्र)। जिले की समस्त ग्राम पंचायतों में विकसित भारत रोजगार और आजीविका के ग्राम गारंटी मिशन (ग्रामीण) वीवी-जी राम जी अधिनियम, 2025 के संबंध में ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय विजन विकसित भारत 2047 के परिप्रेक्ष्य में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी एक्ट 2005 (मनरेगा) के स्थान पर (विकसित भारत-जी राम जी) अधिनियम 2025 लागू किया गया है। उक्त अधिनियम के महत्वपूर्ण प्रावधानों एवं प्रदत्त कानूनी अधिकारों के संबंध में व्यापक जागरूकता लाने के उद्देश्य से प्रत्येक ग्राम पंचायत में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया। जिले की सभी 427 ग्राम पंचायतों में ग्राम सभाएं आयोजित की गईं ग्राम सभाओं में ग्रामीण श्रमिकों, महिलाओं, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति परिवारों एवं कमजोर वर्गों की सक्रीय भागीदारी सुनिश्चित करवायी गई। ग्राम सभाओं में की गई कार्यवाही कर अभिलेखीकरण किया गया। ग्राम सभाओं में जियो टेग फोटो एवं वीडियो ग्राफस के साथ विशेष ग्राम सभा संबंधी गतिविधियों / विवरण/ कार्यवृत्त की रिअल टाइम अपलोडिंग पंचायत निर्णय ऐप के माध्यम से की गई साथ ही नये अधिनियम का प्रचार-प्रसार कर अधिनियम की विशेषताएं एवं अधिनियम के तहत श्रमिकों को मिलने वाली जानकारी ग्रामीणों को दी गई।

सिविल अस्पताल बरेली में सीएमएचओ की उपस्थिति में बैठक आयोजित

रायसेन (निप्र)। कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा गत दिवस आयोजित जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में सीएमएचओ और सभी बीएमओ को अधीनस्थ अमले की बैठक आयोजित कर स्वास्थ्य सेवाओं और अभियानों की प्रगति की समीक्षा करते हुए सुधार लाने के निर्देश दिए गए थे। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा के निर्देशों के परिपालन में शनिवार को सिविल अस्पताल बरेली में सीएमएचओ डॉ एचएन मांडरे की उपस्थिति में बीएमओ डॉ हेमन्त यादव द्वारा समस्त सुपरवाइजर, सीएचओ, एएनएम, आशा सहयोगियों की बैठक आयोजित की गई।

तवा पुल के 100 फीट दायरे में अवैध रेत उत्खनन

दिन में ट्रॉली, रात में डंपरों से परिवहन; पुल के पिलरों को खतरा



नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में पिपरिया स्टेट हाईवे पर माखननगर स्थित तवा पुल के आसपास बड़े पैमाने पर अवैध रेत उत्खनन किया जा रहा है। नियमों को दरकिनार कर रेत माफिया पुल के 30 मीटर (करीब 100 फीट) के प्रतिबंधित दायरे से रेत निकालकर परिवहन कर रहे हैं। दिन में ट्रैक्टरों से और रात में डंपरों के जरिए रेत ढोई जा रही है, लेकिन खनिज विभाग और राजस्व विभाग की ओर से इस पर कोई कार्रवाई नजर नहीं आ रही है। नियमों के अनुसार नदी पर बने पुल के 100 से 200 फीट के दायरे में रेत उत्खनन अवैध और प्रतिबंधित है। ऐसा इसलिए क्योंकि रेत निकालने से नदी तल कमजोर होता है और पुल के पिलरों को नुकसान पहुंचने का खतरा बढ़ जाता

है। इसके बावजूद तवा पुल के पास से लगातार रेत निकाली जा रही है, जिससे पुल की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

ब्रिज एक्सपर्ट ने जताई हार्दसे की आशंका : ब्रिज एक्सपर्ट और पीडब्ल्यूडी के सेवानिवृत्त अधिकारी नागेश दुबे ने बताया कि नियमों के तहत किसी भी पुल के 100 फीट के दायरे में रेत खनन की अनुमति नहीं होती। उन्होंने कहा कि गहरे गड्ढे बनने से पुल के पिलरों की नींव कमजोर होती है और इससे बड़े हार्दसे की आशंका बनी रहती है।

दिन में ट्रैक्टर, रात में डंपरों से रेत ढुलाई : स्थानीय लोगों के अनुसार रेत माफिया दिन के समय ट्रैक्टर-ट्रॉली से और रात में डंपरों के जरिए रेत का परिवहन कर रहे हैं। यह

गतिविधि लंबे समय से चल रही है, लेकिन अब तक इसे रोकने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

डोंगरवाड़ा क्षेत्र में भी नर्मदा से रेत की चोरी

बुधनी रोड स्थित खर्वाघाट-डोंगरवाड़ा रोड के पास नर्मदा नदी से भी रेत का अवैध उत्खनन किया जा रहा है। यहां ट्रैक्टर-ट्रॉली में रेत भरकर बिना रोक-टोक परिवहन किया जा रहा है। डोंगरवाड़ा खदान से फिलहाल रेत कंपनी द्वारा उत्खनन नहीं किया जा रहा है। इसके बावजूद इलाके से रेत की ढुलाई जारी है। न तो रेत कंपनी की फ्लाईंग स्क्वॉड मौके पर दिख रही है और न ही खनिज विभाग के अधिकारी रेत चोरों पर कार्रवाई कर रहे हैं।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत नवजात बालिकाओं को स्वागत लक्ष्मी बेबी किट वितरित



विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशन में आज जिला चिकित्सालय के प्रस्तुति विभाग में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत नवजात बालिकाओं को स्वागत लक्ष्मी बेबी किट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य संस्थागत प्रसव

को प्रोत्साहित करना, कन्या शिशु के जन्म को बढ़ावा देना तथा कन्या भ्रूण हत्या की रोकथाम हेतु समाज में सकारात्मक जागरूकता उत्पन्न करना रहा। यह पहल बालिका संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष

श्रीमती गीता कैलाश रघुवंशी, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रीति राकेश शर्मा एवं श्रीमती सरोज मुकेश टंडन उपस्थित रही। सभी अतिथियों द्वारा नवप्रसूता माताओं को स्वागत लक्ष्मी बेबी किट का वितरण अपने हाथों से किया गया तथा कन्या के जन्म पर शुभकामनाएं प्रदान की गईं।

अतिथियों ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि बेटी समाज की अमूल्य धरोहर है और उसके संरक्षण, शिक्षा एवं सशक्तिकरण के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना एक सामाजिक जनआंदोलन है, जिसमें शासन के साथ-साथ समाज की

सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। बेबी किट वितरण से नवजात शिशु एवं माताओं को प्रारंभिक आवश्यक सामग्री उपलब्ध होती है, साथ ही यह संदेश भी जाता है कि सरकार बेटी के जन्म को सम्मान और समर्थन देती है।

कार्यक्रम का आयोजन एवं समन्वय महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विनीता लोढ़ा के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर सहायक संचालक श्री विवेक शर्मा, संरक्षण अधिकारी श्री संतोष रघुवंशी, जिला चिकित्सालय का चिकित्सकीय एवं नर्सिंग स्टाफ सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।महिला एवं बाल विकास विभाग, विदिशा द्वारा इस प्रकार के कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जा रहे हैं, जिससे लिंगानुपात में सुधार, संस्थागत प्रसव में वृद्धि तथा बालिकाओं के प्रति सकारात्मक सोच को सुदृढ़ किया जा सके। कार्यक्रम का समापन विभागीय अधिकारियों द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।

इटारसी से स्कूटी में रखकर शराब लाने वाला पकड़ाया

नर्मदापुरम में 310 पाव देसी मदिरा प्लेन जब्त; 23 हजार 250 रुपए का माल

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले में अवैध शराब बिक्री और तस्करी का कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा है। माफिया और तस्कर दूसरे शहरों और गांवों की दुकानों से शराब लाकर नर्मदापुरम शहर में बेच रहे हैं। आबकारी और पुलिस विभाग की लगातार कार्रवाई के बावजूद तस्कर चोरी-छिपे शराब की सप्लाई कर नशेडिंयों को आसानी से उपलब्ध कर रहे हैं। इसी कड़ी में शनिवार को आबकारी विभाग ने डबल फाटक क्षेत्र में एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है।

इटारसी से खरीदकर

नर्मदापुरम ला रहा था शराब

सहायक जिला आबकारी अधिकारी राहुल ढोके ने बताया कि आरोपी आकाश पिता मनोहर लाल जाटव निवासी नर्मदापुरम को डबल फाटक के पास पकड़ा गया। उसके पास से 310 पाव देसी मदिरा प्लेन जब्त की गई है, जिसकी कीमत करीब 23 हजार 250 रुपए आंकी गई है। पछताह में आरोपी ने बताया कि वह इटारसी की अलग-अलग शराब दुकानों से पाव



खरीदकर उन्हें एकत्र करता था और फिर नर्मदापुरम में बेचने के लिए लाता था। आरोपी का कहना था कि इटारसी में शराब सस्ते दामों पर मिल जाती है।

एक्टिवा से कर रहा था तस्करी

आबकारी वृत्त प्रभारी हेमंत चौकसे के

वन ग्रामों का संपरिवर्तन शासन की महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं में शामिल है- कलेक्टर

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरु के. ने इछावर तहसील के ग्राम ईटखेड़ा एवं नीबूखेड़ा में वन ग्रामों के संपरिवर्तन की चल रही कार्यवाही तथा ग्राम गाजीखेड़ी में वन खण्डों के व्यवस्थापन संबंधी कार्यवाही का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारियों से कार्यों की प्रगति की जानकारी ली और प्रभावी क्रिया-व्यवन के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कहा कि वन ग्रामों का संपरिवर्तन शासन की महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं में शामिल है, जिससे वन क्षेत्रों में निवासरत ग्रामीणों को राजस्व ग्रामों के समान मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि संपरिवर्तन की प्रक्रिया में पारदर्शिता रखते हुए सभी आवश्यक प्रक्रियाएं समय-सीमा में पूर्ण की जाएं। कलेक्टर श्री बालागुरु ने वन खण्डों के वैज्ञानिक एवं सुनियोजित व्यवस्थापन पर विशेष जोर देते हुए कहा कि वन संसाधनों का संरक्षण करते हुए आजीविका के अवसर भी विकसित किए जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि वन एवं राजस्व विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें, ताकि सीमा निर्धारण, अभिलेखों के आदान-प्रदान एवं तकनीकी प्रक्रियाओं में किसी प्रकार की बाधा न आए। उन्होंने लंबित सामुदायिक वनाधिकार दावों के शीघ्र निराकरण के निर्देश देते हुए कहा कि वनवासियों को उनके अधिकार मिलना चाहिए। इसके लिए चरमबद्ध कार्ययोजना तैयार कर प्रत्येक चरण के लिए एक स्पष्ट समय-सीमा तय की जाए और प्रगति की नियमित समीक्षा की जाए।

अनुसार आरोपी एक्टिवा वाहन से इटारसी बायपास रोड होते हुए नर्मदापुरम में प्रवेश कर रहा था। डबल फाटक के पास आबकारी मुख्य आरक्षक रघुवीर निमोदा और आरक्षक धर्मेन्द्र बारगे ने उसे रोका। तलाशी लेने पर एक्टिवा के आगे रखे झोले में 310 पाव देसी शराब बरामद हुई।

93 हजार से अधिक की कुल जब्ती

कार्रवाई के दौरान शराब के साथ आरोपी की एक्टिवा गाड़ी भी जब्त की गई है। शराब और वाहन की कुल कीमत करीब 93 हजार 250 रुपए बताई जा रही है। आरोपी के खिलाफ मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(2) के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया गया है।

अवैध शराब नेटवर्क की जांच जारी

आबकारी विभाग का कहना है कि आरोपी से पूछताछ कर वह पता लगाया जा रहा है कि वह कब से तस्करी कर रहा था और इसके पीछे कोई संगठित नेटवर्क तो नहीं है। जिले में अवैध शराब के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।



विकसित भारत अभियान अंतर्गत जल उत्सव एवं जल जीवन मिशन पर सेमिनार आयोजित

विदिशा (निप्र)। पीएमसीओई शासकीय महाविद्यालय विदिशा द्वारा शनिवार को विकसित भारत अभियान योजना के अंतर्गत जल उत्सव एवं जल जीवन मिशन पर आधारित एक जागरूकता सेमिनार का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जल संरक्षण, सतत जल प्रबंधन तथा प्रत्येक घर तक सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के महत्व के प्रति विद्यार्थियों में जागरूकता बढ़ाना रहा। कार्यक्रम में पीआई स्टाफ से सम्मानित अतिथि श्री अविनाश पाटेल को गरिमामयी उपस्थिति रही। उनके मार्गदर्शन एवं प्रेरक द्रोहोहन से कार्यक्रम और अधिक प्रभावंशाली

एवं ज्ञानवर्धक बना। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को जल संसाधनों के संरक्षण, विवेकपूर्ण उपयोग तथा राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका के महत्व से अवगत कराया। इस सेमीनार का आयोजन डॉ. राज कमल प्रजापति द्वारा किया गया, जिनके नेतृत्व में कार्यक्रम को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न किया गया। कार्यक्रम में लगभग 25 एनसीसी कैडेट्स सहित अन्य विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की। एनसीसी प्रथम वर्ष के कैडेट विशाल गुर्जर ने जल संरक्षण विषय पर अपने विचार साझा करते हुए सभी को जल बचाने के लिए प्रेरित किया।

जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक आयोजित

रायसेन (निप्र)। कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में शुक्रवार को आयोजित की गई, जिसमें कलेक्टर श्री विश्वकर्मा द्वारा जिले में वन और राजस्व भूमि में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण की प्रभावी रोकथाम हेतु संबंधित अधिकारियों को विस्तृत दिशा निर्देश दिए गए। बैठक में एसपी श्री आशुतोष गुप्ता, अपर कलेक्टर श्री मनोज उपाध्याय, एएसपी श्री कमलेश कुमार, एसडीएम रायसेन श्री मनीष शर्मा और खनिज अधिकारी श्री महेंद्र पटेल उपस्थित रहे। बैठक में बताया गया है जिले में वित्तीय वर्ष 2025-26 में अवैध उत्खनन, परिवहन और भण्डारण की रोकथाम पर कार्यवाही करते हुए खनिज विभाग द्वारा कुल 200 प्रकरण पंजीबद्ध किये जाकर खनिज मद् 0853 में राशि रूपये 2,22,57,684/- जमा कराई गई है। बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने सभी एसडीएम, पुलिस तथा खनिज अधिकारी को अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर प्रभावी कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित करते हुए कहा कि अवैध उत्खनन एवं परिवहन की कार्यवाही के दौरान अधिकारी एवं कर्मचारी अपनी सुरक्षा का ध्यान रखते हुए कार्यवाही संपादित करें। साथ ही संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस, राजस्व एवं खनिज विभाग द्वारा संयुक्त रूप से प्रभावी रोकथाम हेतु रणनीति तैयार कर कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। इसी प्रकार डीएफओ, एसडीएम तथा खनिज अधिकारी को जिले में उपलब्ध खनिज संपदा खनीज पत्थर एवं आकषीय पत्थर, पत्थर गिट्टी हेतु ऐसे क्षेत्रों का चिह्नंकन करने के लिए कहा जिनमें अवैध उत्खनन, परिवहन की शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। जिससे राजस्व आग भी प्राप्त होगी और अवैध उत्खनन / परिवहन की रोकथाम भी होगी। जिले में प्राप्त आवेदन पत्रों का समय सीमा में निराकरण कर अधिक से अधिक खदानें स्वीकृत करने की कार्यवाही की जाए।

अशोकनगर में सट्टा किंग का होटल तोड़ा

तीन मंजिला इमारत के अगले-पिछले हिस्से पर चली जेसीबी, 100 पुलिसकर्मियों ने ड्रोन कैमरे से रखी नजर

अशोकनगर (नप्र)। अशोकनगर जिला प्रशासन ने सट्टा किंग आजाद खान का होटल गिरा दिया है। नगर पालिका और पुलिस की टीम सोमवार दोपहर करीब 2 बजे होटल आजाद प्लेस पहुंची। करीब 3 बजे तीन मंजिला होटल के अगले और पिछले हिस्से पर जेसीबी चलाकर उसे गिरा दिया गया। निर्माण के दौरान नियमों का पालन न करने के कारण इस



कार्रवाई को अंजाम दिया गया। जेसीबी चलाने से पहले प्रशासनिक अधिकारी होटल के अंदर गए। तीनों मंजिलों पर बने कमरों को चेक किया। आसपास की सभी दुकानों को बंद करवा दिया गया था। गलियों में बैरिकेड लगाकर आवाजाही रोक दी गई थी। पुगने बस स्टैंड के पास खाली परिसर में भी बैरिकेड लगाए गए थे, ताकि वहां भीड़ इकट्ठा न हो। कार्रवाई के दौरान राजस्व विभाग और नगर पालिका के अमले के साथ 100 से ज्यादा पुलिस जवान तैनात रहे। एसडीएम शुभ्रता त्रिपाठी, नगर पालिका सीएमओ विनोद उन्नीथन, एसडीओपी विवेक शर्मा ने मॉनिटर किया। दो पोकलैन, एक-एक हड़्डा और जेसीबी की मदद से होटल को ध्वस्त किया गया। इस दौरान ड्रोन और वीडियो कैमरे से रिकॉर्डिंग की गई।

राज्यमंत्री की सादगी या विभागीय कंगाली ...

डॉ. मोहन सरकार के दो साल पूरे होने का जश्न आलीशान होटलों के बुफे और ठंडी हवाओं के बीच मनाया गया। मंत्रियों ने सरकार की उपलब्धियों के साथ-साथ होटलों के बिलों का भी बखान किया। लेकिन,



गरीबों के कल्याण का जिम्मा संभालने वाले एक स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री ने गजब की मितव्ययिता दिखाई। साहब ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के लिए किसी होटल की जगह अपने विभागाध्यक्ष कार्यालय को ही चुन लिया। अब पत्रकार साथी चटखारे ले रहे हैं कि क्या विभाग के पास बजट का टोटा है या मंत्री, सच में सादगी की मिसाल पेश कर रहे हैं ? विडंबना देखिए, जिस वर्ग ने भाजपा को प्रचंड बहुमत देकर सत्ता की मलाई खिलाई, उसी के विभाग के मंत्री जी को प्रेस वार्ता के लिए एक अच्छे हॉल तक मयस्सर नहीं हुआ। इसे सादगी कहें या विभाग की कंगाली?

प्रमुख सचिव पर अविश्वास का दंश

नए साल के जश्न की खुमारी में मंत्रालय के गलियारे खाली हो रहे हैं। बड़े साहबान अपने-अपने डेस्टिनेशन वकेशन पर निकल चुके हैं, लेकिन एक प्रमुख सचिव महोदय ऐसे भी हैं जो अपनी कुर्सी से ऐसे चिपके हैं जैसे फेविकोल का जोड़ हो। कोफ्त इस बात की नहीं कि वे छुड़ी पर नहीं गए, दर्द यह है कि शासन ने उनके बगल वाले केबिन की जिम्मेदारी भी उन्हें सौंपना मुनासिब नहीं समझा। सीनियरिटी का भारी-भरकम बोझ उठाए इन साहब का रूतबा ऐसा है कि सरकार उन्हें एक्स्ट्रा चार्ज देने के नाम से भी कन्नौ काट रही है। बेचारे साहब अपने खासमखास लोगों के सामने अपना दुखड़ा रोते पाए गए कि सरकार को शायद उन पर रती भर भी भरोसा नहीं है। गलियारों में चर्चा है कि साहब को डर है कि कहीं उनके पिछले कारनामों के गुलदस्ते की खुशबू शासन तक न पहुँच गई हो। फिलहाल, साहब अपने विभाग में अकेले बैठकर अपनी वरिष्ठता का अचार डाल रहे हैं।

बधाई देने भी नहीं आए सिपहसालार

कांग्रेस के एक दिग्गज नेता का राजनीतिक औरा इन दिनों वैसा ही है जैसा बिना सेल के चलने वाली घड़ी का। राजधानी आए, जन्मदिन का ढोल पीटा गया, लेकिन जश्न में भीड़ नदारद थी। उम्मीद थी कि बंगले पर बधाई देने वालों का मेला लगेगा, पर आलम यह रहा कि पार्टी के बड़े पदाधिकारी तो छोड़िए, भोपाल जिले के छोटे पदाधिकारियों भी साहब के दरवाजे की कुंडी खड़काना जरूरी नहीं समझा। खास समर्थकों ने इस बेइज्जती का कच्चा चिट्ठा साहब के सामने पेश कर दिया है। अब देखना दिलचस्प होगा कि ये दिग्गज अपनी बची-कुची साख का इस्तेमाल करके पदाधिकारियों को डराते हैं या फिर इस अकेलेपन को ही अपनी नई नियति मान लेते हैं।

भोपाल के ईरानी डेरे की दिल्ली तक गूँज

सीबीआई अफसर और पत्रकार बनकर भी लोगों को लूटा, पुलिस पकड़ने पहुंची तो दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

भोपाल (नप्र)। भोपाल में अमन कॉलोनी स्थित ईरानी डेरे में रविवार को पुलिस पर हमला हो गया। निशातपुरा के इस इलाके में रहने वाले ज्यादातर लोग देशभर में लूट, चोरी और ठगी की वारदातों को अंजाम देने के लिए बदनाम हैं।

इन्में से दो बदमाशों का इसी साल दिल्ली में एनकाउंटर हो चुका है। रविवार को पुलिस ईरानी डेरे के प्रमुख राजू ईरानी को पकड़ने अमन कॉलोनी पहुंची थी। उसने सागर जिले के एक सर्राफा कारोबारी को सीबीआई अधिकारी बनकर उठा था।

पुलिस पर हमले के बाद गिरफ्तार किए गए काला ईरानी ने भोपाल पुलिस की पूछताछ में सीबीआई अधिकारी और पत्रकार बनकर ठगी की वारदातें करने की बात स्वीकार की है। छापेमारी के दौरान उसके घर से पुलिस को एक न्यूज चैनल की माइक आईडी भी मिली है। **दुबई तक बेचते हैं झपटमारी के मोबाइल फोन-** 20 दिसंबर 2025 को हबीबगंज थाना इलाके में रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के पास बाइक सवार दो लुटेरों ने एक वेटरनरी डॉक्टर से मोबाइल फोन लूटा था। फरियादी डॉ. मोहित सिंह बघेल मूल रूप से भिंड के निवासी हैं।भागते समय लुटेरों की बाइक



आगे जाकर एक वाहन से टकरा गई। दोनों लुटेरे घायल हो गए। राहगीरों ने उन्हें पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार दोनों लुटेरे- अली हसन (19) और यो. अली (19) ईरानी डेरे में ही रहते हैं। पूछताछ में उन्होंने बताया कि वे महंगे मोबाइल फोन लूटकर मुंबई भेजते हैं, जहां से उन्हें दुबई पहुंचा दिया जाता है।फिलहाल, पुलिस उनके नेटवर्क की जांच कर रही है। पुलिस ने ईरानी डेरे में

ही रहने वाले झपटमार अली हसन और मो. अली को गिरफ्तार किया था। **दिल्ली पुलिस ने मुठभेड़ के बाद दो बदमाशों को पकड़ा था-** इसी साल जुलाई महीने में दिल्ली पुलिस ने अमन कॉलोनी निवासी ईरानी गैंग के दो सदस्यों- मुर्तजा अली उर्फ दमार (38) और सिराज अली (40) को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया था। पुलिस को उनके दिल्ली में छिपे होने की सूचना मिली थी, जिसके आधार पर

इंद्रप्रस्थ पार्क के पास रात में घेराबंदी की गई। पुलिस को देखते ही आरोपियों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में दोनों आरोपी गोली लगने से घायल हो गए थे। जांच में सामने आया कि दोनों के खिलाफ देश के कई राज्यों में हत्या के प्रयास, लूट, चोरी और ठगी जैसे संगीन अपराध दर्ज हैं। वे कई मामलों में फरार चल रहे थे। दिल्ली पुलिस ने दोनों के खिलाफ नया केस दर्ज किया था।

सागर पुलिस पर मिर्च पाउडर फेंका, पथराव किया था

ईरानी डेरे के 4 कुख्यात बदमाश साल 2020 में 9-10 नवंबर को वे सागर जिले के खुर्दई पहुंचे थे। यहां एक ज्वेलर्स शॉप में खुद को सीबीआई अधिकारी बताकर रेंड की बात कही और जरूरी दस्तावेज मांगे। दुकानदार को शक होने पर आरोपियों ने गन पॉइंट पर जेवरत से भरा बैग लूटा और फरार हो गए।

सीसीटीवी फुटेज से उनकी पहचान-रिजवान हुसैन, गुलाम उर्फ काकड़ी, तकबीर अली और खेबर अली के रूप में गई। जांच में सामने आया कि वे भोपाल के ईरानी डेरे के निवासी हैं और राजू की गैंग के सदस्य हैं। इसके बाद खुर्दई पुलिस उनकी तलाश में भोपाल पहुंची। छेला और निशातपुरा पुलिस के साथ अमन कॉलोनी में तड़के दबिश दी और दोनों संदिग्धों को हिरासत में ले लिया। लेकिन बदमाशों को ले जाते समय ईरानी डेरे के लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया। इनमें से कुछ लोगों ने पुलिस पर मिर्च पाउडर फेंक दिया, फिर पथराव होने लगा। हालात बिगड़ने पर पुलिस को हवाई फायरिंग करनी पड़ी। पत्थर लगने से 12 पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। पुलिस को आरोपियों को गिरफ्तार किए बिना ही भागना पड़ा था।

दिग्विजय सिंह के समर्थन में आए मंत्री कैलाश विजयवर्गीय

बोले- सरदार पटेल की तरह सच कहने की परंपरा को आगे बढ़ाया

भोपाल (नप्र)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की तारीफ करने जाने के बाद राजनीति में नई बहस छिड़ गई है। जहां कांग्रेस के भीतर इस बयान को लेकर सवाल उठ रहे हैं। अब भाजपा के वरिष्ठ नेता और नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय खुलकर अब दिग्विजय सिंह के समर्थन में सामने आए हैं। विजयवर्गीय ने सोमवार को एक्स पर दिग्विजय सिंह के बयान का समर्थन किया।

उन्होंने लिखा कि लोकतंत्र में वैचारिक मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन सच



सिंह ने कांग्रेस के अंदर 50 के दशक के नेता सरदार पटेल और अन्य नेताओं की उस परंपरा पर चलने का काम किया है जो सच कहने की हिम्मत रखते थे। यही लोकतंत्र की असली खूबसूरती है।

दिग्गी ने मोदी की फोटो पोस्ट कर बताई थी संगठन की शक्ति- दरअसल, दिग्विजय सिंह ने शनिवार को एक ट्वीट किया था। जिसमें लिखा था कि क्योरा साइट पर मुझे यह चित्र मिला। बहुत ही प्रभावशाली है। किस प्रकार आरएसएस का जमीनी स्वयंसेवक व जनसंघ-भाजपा का कार्यकर्ता नेताओं की चरणों में फर्श पर बैठकर प्रदेश का मुख्यमंत्री और देश का प्रधानमंत्री बना। यह संगठन की शक्ति है। यह सिया राम।

कोहरे से थमी ट्रेनों की रफ्तार...

मालवा एक्सप्रेस 7 घंटे लेट

एमपी के 22 शहरों में पारा 10 डिग्री से नीचे, राजगढ़ सबसे ठंडा

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में घने कोहरे और कड़के की ठंड ने जनजीवन के साथ-साथ रेल यातायात को भी प्रभावित कर दिया है। कोहरे की वजह से दिल्ली से भोपाल, इंदौर और उज्जैन आने-जाने वाली कई ट्रेनें घंटों लेट चल रही हैं। सोमवार को मालवा एक्सप्रेस 7 घंटे से ज्यादा देरी से चल रही है। भोपाल में इसके पहुंचने का तय समय सुबह 7.25 बजे है, लेकिन यह दोपहर करीब 3 बजे तक पहुंच सकता है।

इधर, प्रदेश में रात के तापमान में भी तेज गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग के अनुसार रविवार-सोमवार की रात भोपाल में 5.6 डिग्री, इंदौर में 6.4 डिग्री, जबलपुर में 8 डिग्री, ग्वालियर में 9 डिग्री और उज्जैन में 9.5 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। बड़े शहरों में भोपाल सबसे ठंडा रहा।

प्रदेश में राजगढ़ सबसे ठंडा जिला रहा, जहां न्यूनतम तापमान 4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। वहीं छतरपुर के नौगंव और उमरिया में 5 डिग्री, पचमढ़ी में 5.2 डिग्री, मलाजखंड में 5.3 डिग्री और मंडला में 5.8 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। कुल मिलाकर प्रदेश के 22 शहरों में पारा 10 डिग्री से नीचे रहा।

मशीन से चुनी सरकार जनता से नहीं जुड़ेगी

जीतू पटवारी ने कहा कि लोकतंत्र केवल चुनाव का नाम नहीं है, बल्कि जनता और जनप्रतिनिधि के बीच भरोसे का रिश्ता है। उन्होंने कहा- जिस दिन विधायक और सांसद मशीनों से चुने जाएंगे, उस दिन जनप्रतिनिधि आम आदमी से कट जाएंगे। मशीन किसी की पीड़ा नहीं समझती, न ही वह समाज के कमजोर वर्ग की आवाज बन सकती है।



जीतू पटवारी बोले- बैलेट पेपर से चुनाव चालू हो तभी लोकतंत्र बचेगा

भोपाल (नप्र)। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति, जनजाति विकास परिषद द्वारा भोपाल में आयोजित सामाजिक न्याय सम्मेलन में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने चुनावी व्यवस्था, लोकतंत्र और संविधान को लेकर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि देश का लोकतंत्र तभी बचेगा, जब चुनाव बैलेट पेपर से कराए जाएंगे, क्योंकि मशीन आधारित चुनावों में जनता का भरोसा लगातार कमजोर हो रहा है। पटवारी ने सवाल उठाया कि यदि विधायक और सांसद मशीनों से चुने जाएंगे, तो फिर किसी भी पार्टी का निचला कार्यकर्ता, गरीब, दलित, आदिवासी और अल्पसंख्यक अपनी बात किससे कहेगा।

साहब का ‘वेज’ पर अफसरों का ‘नॉनवेज’ खेल

कहते हैं कि राजनीति में मिश्रण खतरनाक होता है, लेकिन पिछले दिनों एक सरकारी जलसे में अफसरों ने ऐसा कॉकटेल परोसा कि मंत्री जी की शुचिता ही संकट में पड़ गई। भाजपा की सरकार में सरकारी आयोजनों की मर्यादा आमतौर पर घास-फूस (शुद्ध शाकाहार) तक ही सीमित रहती है, लेकिन यहाँ तो अफसरों ने अति-उत्साह में वेज के नकाब में नॉनवेज की ऐसी एंट्री कराई कि हड़कंप मच गया।

स्नेक्स की शक्ल में परोसी गई इन हड्डियों को शाकाहारी आगतुक भी बड़े चाव से पनीर समझकर गटकते रहे। जब तक कड़्यों की अंतरात्मा जागती और उन्हें स्वाद में कुछ अजीब महसूस होता, तब तक आधा पंडाल अपनी वर्षों की तपस्या भंग कर चुका था। बस फिर क्या था, जैसे ही राज खुला, शाकाहारियों का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुँच गया। अफसरों की इस करामात का सारा नजला बेचारे मंत्री जी पर ही गिर पड़ा। आनन-फानन में प्लेटें हटाई गई औरडेमेज कंट्रोल का उपक्रम शुरू हुआ, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी—गंगाजल छिड़कने से पहले ही कड़्यों के धर्म की थाली में कबाब का तड़का लग चुका था। अब गलियारों में चर्चा है कि अफसरों ने मंत्री जी को उलझाया है या जानबूझकर उनके राजनैतिक भविष्य में मिलावट कर दी है।

व्हाइट कोट फीयर बिगाड़ता है ब्लड प्रेशर

भोपाल के 800 बच्चों पर हुई इंटरनेशनल स्टडी दावा- सटीक रीडिंग चाहिए तो 3 बार करें जांच



भोपाल (नप्र)। व्हाइट कोट फीयर के कारण ब्लड प्रेशर की रीडिंग बिगड़ सकती है। यह एक अहम संकेत के रूप में सामने आया है, जिससे कई मरीज बेवजह बीपी की दवाइयों के सेवन और बीमारी के तनाव से बच सकते हैं। यह जानकारी एम्स भोपाल, पॉडिचेरी मेडिकल कॉलेज, नोएडा मेडिकल कॉलेज और अमेरिका के कॉटनवुड स्थित यूनिवर्सिटी जीएमई कंसोर्टियम रेंजडेंसी प्रोग्राम के विशेषज्ञों की संयुक्त स्टडी में सामने आई है।

स्टडी में बताया गया है कि अगर किशोरावस्था में ब्लड प्रेशर ज्यादा रहता है, तो आगे चलकर युवावस्था में यह स्थायी हाई ब्लड प्रेशर का रूप ले सकता है। इससे दिल का आकार बढ़ना, किडनी की कार्यक्षमता कम होना और पेशाब में प्रोटीन आना जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। इससे बचाव के लिए कई किशोर दवाइयों का सेवन शुरू कर देते हैं।

भारत में किशोरों में हाई ब्लड प्रेशर की औसत दर करीब 7.6 प्रतिशत बताई गई है। वहीं, इस स्टडी के दौरान मध्यप्रदेश में खासतौर पर भोपाल के सरकारी और निजी स्कूलों के 800 से अधिक स्वस्थ बच्चों की पहली जांच की गई। इसमें 4 प्रतिशत बच्चों का ब्लड प्रेशर तय मानक से अधिक पाया गया।

कुछ दिनों के अंतराल पर जब इन्हें बच्चों की दूसरी जांच की गई, तो यह आंकड़ा घटकर 2.7 प्रतिशत रह गया। तीसरी बार जांच करने पर यह और घटकर 1.9 प्रतिशत पर आ गया। डॉक्टरों का कहना है कि सही ब्लड प्रेशर रीडिंग के लिए कुछ समय के अंतराल पर तीन बार जांच करना जरूरी है। इससे अनावश्यक दवाइयों के सेवन को रोका जा सकता है और बच्चों व उनके परिजनों को बीमारी के बेवजह तनाव से बचाया जा सकता है। **यह कारण बढ़ा देते हैं बीपी-** विशेषज्ञों के मुताबिक बच्चों और किशोरों में ब्लड प्रेशर स्थिर नहीं रहता। स्कूल का माहौल, परीक्षा का तनाव, अजनबी डॉक्टर या जांच का डर, ये सभी कारण पहली बार में बीपी बढ़ा सकते हैं। इसे मैडिकल भाषा में व्हाइट कोट इफेक्ट कहा जाता है। इसी वजह से इस स्टडी में हर बच्चे का ब्लड प्रेशर तीन अलग-अलग दिनों में, एक एक हफ्ते के अंतर से मापा गया। हर विजिट में भी तीन-तीन रीडिंग ली गईं। इससे यह साफ हो सका कि वास्तव में किन बच्चों में ब्लड प्रेशर

स्टडी में सामने आए यह नतीजे

- पहली विजिट में 4 प्रतिशत बच्चों का ब्लड प्रेशर सामान्य से अधिक पाया गया
- दूसरी विजिट में यह घटकर 2.7 प्रतिशत रह गया
- तीसरी विजिट तक यह आंकड़ा करीब 2प्रतिशत पर आ गया

लड़के ज्यादा खतरें में

अध्ययन में यह भी सामने आया कि हाई ब्लड प्रेशर की समस्या लड़कों में ज्यादा देखी गई। लड़कों में यह दर करीब 2.6 प्रतिशत रही। जबकि, लड़कियों में यह केवल 0.2 प्रतिशत पाई गई। डॉक्टरों के अनुसार, इसके पीछे हार्मोनल बदलाव, शरीर में फैट का वितरण और किशोरावस्था में लड़कों पर ज्यादा मानसिक-शारीरिक दबाव जैसे कारण हो सकते हैं। इसके अलावा स्टडी इस बात पर जोर देती है कि सिर्फ एक बार की जांच के आधार पर बच्चों को बीमार घोषित करना गलत हो सकता है।

लगातार ऊंचा रहता है और किसमें यह अस्थायी बदलाव होता है।

10 से 18 साल के बच्चों पर हुई स्टडी- भोपाल के स्कूलों में हुई इस वैज्ञानिक और गहन जांच में 10 से 18 साल के किशोरों को शामिल किया गया, जिसमें सामने आया कि हर 100 में से एक से दो बच्चे ऐसे हैं, जिसे बार-बार जांच करने पर हाई ब्लड प्रेशर की समस्या पाई गई।अध्ययन से यह भी साफ हुआ कि पहली बार जांच में दिखने वाला हाई ब्लड प्रेशर कई बार तनाव या घबराहट का नतीजा होता है, जो दोबारा जांच में सामान्य हो जाता है। यही वजह है कि डॉक्टर अब किशोरों में हाई बीपी की पहचान के लिए नई रणनीति की जरूरत बता रहे हैं।

800 स्कूली बच्चों पर एक साल की निगरानी- यह अध्ययन जून से दिसंबर के बीच भोपाल के शहरी इलाके के अलग अलग दिशाओं के सरकारी और निजी स्कूलों में किया गया। इसमें 10 से 18 साल के 824 छात्र-छात्राएं शामिल किए गए। सभी बच्चों की लंबाई, वजन और बीएमआई दर्ज किया गया।

